font>

Title: Need to provide working capital and raw material for proper functioning of HMT Unit in Ranibagh Nainital, Uttanchal.

डा. महेन्द्र सिंह पाल (नैनीताल) : सभापति महोदय, एचएमटी रानीबाग नैनीताल, उत्तरांचल इकाई भारत सरकार के भारी उद्योग मंत्रालय के अधीनस्थ मुख्यालय बैंगलोर से संचालित होती है। उक्त कारखाने में 1 अप्रैल, 2003 को मात्र 619 कर्मचारी ही सेवारत रह गए हैं जिस में 124 अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जाति के कर्मचारी भी सम्मिलित हैं। देश की वैश्वीकरण, उदारीकरण. निजीकरण की नीति से यह कारखाना भी प्रभावित हुआ है। बाकी कमी को मुख्यालय प्रबन्धन की उद्योग एवं श्रमिक विरोधी नीतियों ने पूरा कर दिया है। प्रबंधन के असहयोगपूर्ण रवैये के कारण 20 लाख घड़ी निर्माण की क्षमता वाले उपरोक्त इकाई का लक्ष्य 8 लाख कर दिया गया है। निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्यशील पूंजी एवं कच्चा माल उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। कर्मचारियों को अक्टूबर 2002 से अप्रैल 2003 तक सात माह का वेतन भुगतान नहीं हुआ। वेतन के अभाव से कर्मचारी अपने बच्चों को स्कूल में भर्ती एवं कापी किताबों व मासिक फीस नहीं दे पा रहे हैं। अगर कार्यशील पूंजी एवं कच्चा माल इस इकाई को उपलब्ध होता तो इस इकाई के कर्मचारी भरसक मेहनत करके कारखाने में क्षमता के अनुरूप उत्पादन कर लाभान्वित होते। इस कारखाने की घड़ियों की मांग पूरे देश के साथ-साथ विशेा तौर पर पूरे उत्तर भारत में है। यहां सेना से संबंधित आवश्यक वस्तुओं को भी तैयार किया जाता है। मेरी सरकार से मांग है कि इस इकाई को सुचारू रूप से चलाने के लिए पांच करोड़ रुपए कार्यशील पूंजी की स्वीकृति एवं कच्चा माल उपलब्ध कराने हेतु अि वलम्ब कार्रवाई की जाए।

MR. CHAIRMAN : Shri Muniappa, as a special case, I am allowing you to raise your matter though your notice is not here with me. Kindly conclude within half-a-minute.